हर मेंड़ पर पेड़

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा 16 जुलाई, 2021 को 'हर मेंड़ पर पेड़' कार्यक्रम का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा संस्थान के विभिन्न वन विज्ञान केन्द्रों और अनुसंधान पौधशालाओं के आसपास स्थानियों लोगों के खेतों की मेड़ों और खेत के नजदीक, दिनांक 16 जुलाई, 2021 को **'हर मेंड़ पर पेड़'** मुहिम के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह मुहिम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, दिल्ली के स्थापना दिवस के मौके पर मनाये जा रहे भारत का अमृत महोत्सव कार्यक्रम का हिस्सा थी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा इस मुहिम में भागीदारी हेतु संस्थान को जुड़ने हेतु आग्रह किया था। बीड़-प्लासी (नालागढ़) में स्थापित क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र के आसपास के इलाकों में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नालागढ़ क्षेत्र में इस मुहिम में संस्थान के कर्मचारियों तथा स्थानीय निवासियों सहित करीब 20 लोगों ने शिरकत कर विभिन्न प्रजातियों जैसे कि कचनार, खैर व बांस के लगभग 100 पौधों का वृक्षारोपण कर इसे सफल बनाने में अपना सहयोग दिया। इसके अलावा वन विज्ञान केंद्रों, लेह, जगतसुख मनाली व जम्मू तथा अनुसंधान पौधशालाओं जैसे कि शिल्ली सोलन, शिलारू शिमला, ताबो किन्नौर, बड़ा गाँव शिमला एवं जोहड़ों पोंटा के आसपास स्थानियों लोगों के खेत के मेड़ों पर उन्ही के सहयोग से विभिन्न प्रजातियों के 100 से अधिक पौधों जैसे कि देवदार, बान, जूनीपर, काफल, पोपुलर इत्यादि का पौधरोपण करवाया गया । इस मुहिम के तहत संस्थान द्वारा विभिन्न वृक्ष प्रजातियों के लगभग 200 पौधों का पौधरोपण किया गया। हर क्षेत्र के स्थानीय निवासियों ने इस अभियान में बड़े उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और भविष्य में इसके सकारात्मक परिणामों की उम्मीद जताई। कार्यक्रम का आयोजन निदेशक , हि. व. अ. सं. के नेतृत्व मे विस्तार प्रभाग के प्रमुख **डॉ॰ जगदीश सिंह, वैज्ञानिक** एवं **डॉ॰ जोगिंदर चौहान, मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं प्रभारी अधिकारी** के दिशानिर्देश एवं श्री कुलवंत राय गुलशन, वरिष्ठ तकनीशियन; श्री राजेन्द्र पाल, वरिष्ठ तकनीशियन एवं श्रीमती सपना ठाकुर, वन रक्षक के सक्रिय सहयोग से संचालित एवं संपन्न हुआ। विभिन्न क्षेत्रों में कार्यक्रम के अंतर्गत, पोधारोपण करवाने में वन विज्ञान केन्द्रों और अनुसंधान नर्सरियों में कार्यरत करामचरियों सर्वश्री राकेश शर्मा, वन

हि.व.अ.सं.

परिक्षेत्र अधिकारी; नरेंद्र सेन, डिप्टी रेंजर; रमेश कैन्थला, डिप्टी रेंजर; संत राम, डिप्टी रेंजर; मोहिंदर सिंह, वन दरोगा; दीवान सिंह, वन दरोगा; सचिन चौहान, वन दरोगा; अजय ठाकुर, वन दरोगा; प्रदीप कुमार, वन दरोगा; सुनील शर्मा, वन दरोगा; स्वराज सिंह, तकनीशियन; जिया लाल, तकनीशियन; वीरेंदर कुमार, वन रक्षक; सुशील कुमार वन रक्षक, मनेश कुमार, वन रक्षक; लोकेश कुमार वन रक्षक एवं संजीव कुमार एमटीएस ने प्रमुख भूमिका निभाई। **डॉ॰ एस॰ एस॰ सामंत, निदेशक**, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने आशा जताई कि स्थानीय लोग इन पेड़ों का सरंक्षण करेंगे तथा भविष्य में यह प्रजातियाँ लोगों की आवश्यकताओं जैसे कि ईंधन, चारा और इमारती लकड़ी कि पूर्ति हेतु सहायक होगी। उन्होनें आयोजन से जुड़े सभी लोगों के प्रयासों की सरहाना और स्थानीय निवासियों का इस मुहिम में सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया।

मुहिम की कुछ झलकियाँ

वन विज्ञान केंद्र, लेह

वन विज्ञान केंद्र, जगतससुख मनाली

अनुसंधान पौधशाला, ताबो, स्पीति

अनुसंधान पौधशाला, शिलारू, शिमला

अनुसंधान पौधशाला, बड़ा गाँव, शिमला

अनुसंधान पौधशाला, शिल्ली, सोलन

अनुसंधान पौधशाला, जोहड़ों, पोंटा साहिब

अनुसंधान पौधशाला, बीड़-प्लासी (नालागढ़)

वन विज्ञान केंद्र, धर्मपुर (मंडी)

हि.व. अ. सं.